

भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

23.07.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 656 का उत्तर

रेलयात्रियों को गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करना

656. श्रीमती प्रतिभा सुरेश धानोरकर:

श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या रेलवे द्वारा 1 जुलाई, 2025 से टिकट के मूल्य में वृद्धि की गई है और यदि हाँ, तो इसके कारण क्या हैं;
- (ख) इस वृद्धि से सामान्य यात्रियों के किस प्रकार प्रभावित होने की संभावना है;
- (ग) क्या 1 जुलाई, 2025 से रेलगाड़ियों में सीटों के तत्काल आरक्षण की नीति में कोई परिवर्तन किया गया है और यदि हाँ, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है;
- (घ) क्या 1 जुलाई, 2025 से तत्काल टिकट बुकिंग के लिए ओटीपी को अनिवार्य कर दिया गया है और क्या एजेंटों के लिए तत्काल टिकट बुकिंग का समय भी बदला गया है और यदि हाँ, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है;
- (ङ) क्या तत्काल योजना के अंतर्गत उपलब्ध सीटों की संख्या या कोटा में भी कोई परिवर्तन किया गया है और यदि हाँ, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है;
- (च) क्या तत्काल टिकट बुक करने की पात्रता मापदण्ड या आवश्यक दस्तावेजों में भी कोई संशोधन किया गया है और यदि हाँ, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है;
- (छ) यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु सरकार द्वारा कौन-कौन से कदम उठाए जा रहे हैं;
- (ज) क्या सरकार ने उपर्युक्त परिवर्तनों के परिणामस्वरूप अब तक कोई सकारात्मक प्रभाव देखा है और यदि हाँ, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है;
- (झ) इन परिवर्तनों से रेलवे की आय में कितनी वृद्धि होने की संभावना है; और
- (ञ) रेलवे प्रशासन द्वारा रेल किराए में वृद्धि को कम करने हेतु कौन-कौन से उपाय किए जाने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ञ) भारतीय रेल 720 करोड़ से अधिक यात्रियों को किफायती परिवहन सेवा प्रदान करती है। यहाँ तक कि पड़ोसी देशों की तुलना में भी भारतीय रेल के किराए विश्व में सबसे कम हैं।

सब्सिडी: वित्त वर्ष 2023-24 में यात्रियों द्वारा की गई यात्रा पर दी गई कुल अनंतिम अनुमानित सब्सिडी राशि 60,466 करोड़ रुपये है। यह यात्रियों द्वारा की गई यात्रा की लागत पर 45% सब्सिडी के बराबर है।

5 वर्षों से अधिक के अंतराल के बाद, 01 जुलाई 2025 से किरायों को युक्तिसंगत बनाया गया है। किरायों में वृद्धि बहुत कम है, जो प्रीमियम श्रेणियों के लिए आधे पैसे प्रति किमी से लेकर दो पैसे प्रति किमी तक है।

किराया संशोधन का विवरण इस प्रकार है:

- i) द्वितीय श्रेणी साधारण के किराए में 500 किमी तक कोई वृद्धि नहीं, उसके बाद प्रति यात्री प्रति किलोमीटर किराए में आधे पैसे की वृद्धि।
- ii) शयनयान श्रेणी साधारण और प्रथम श्रेणी साधारण में प्रति यात्री प्रति किलोमीटर किराये में आधे पैसे की वृद्धि।
- iii) मेल एक्सप्रेस में गैर-वातानुकूलित श्रेणियों में प्रति यात्री प्रति किलोमीटर 01 पैसे की वृद्धि और
- iv) आरक्षित वातानुकूलित श्रेणियों में प्रति यात्री प्रति किलोमीटर 02 पैसे की वृद्धि।

निम्न और मध्यम आय वाले परिवारों की वहन सामर्थ्य को बनाए रखने के लिए, एमएसटी और उपनगरीय यात्रा के किरायों में संशोधन नहीं किया गया है।

इसके अलावा, किराए में संशोधन का कुल सब्सिडी राशि पर प्रभाव पड़ने की संभावना नगण्य है क्योंकि यह संशोधन प्रति किलोमीटर यात्रा पर केवल आधे पैसे से लेकर 2 पैसे तक है।

अनुमान है कि आधे से भी कम यात्राओं में किराए में मामूली वृद्धि होगी। उदाहरण के लिए, सामान्य श्रेणी के सवारी डिब्बे में कम आय वाले यात्री के लिए, 500 किलोमीटर की यात्रा के लिए किराए में कोई वृद्धि नहीं की गई है।

तत्काल बुकिंग में सुगमता और पारदर्शिता लाने तथा असामाजिक तत्वों द्वारा किए जाने वाले कदाचार पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से, तत्काल टिकट बुकिंग प्रणाली में निम्नानुसार संशोधन किया गया है:-

- 01-07-2025 से, तत्काल योजना के अंतर्गत टिकटें केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ताओं द्वारा इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) की वेबसाइट/इसके ऐप के माध्यम से बुक की जा सकेंगी।
- भारतीय रेल के अधिकृत टिकट एजेंटों को वातानुकूलित और गैर-वातानुकूलित श्रेणियों के लिए बुकिंग खुलने से पहले तीस मिनट के दौरान तत्काल टिकट बुक करने की अनुमति नहीं है, अर्थात् उन्हें वातानुकूलित श्रेणियों के लिए 1000 बजे से 1030 बजे तक और गैर-वातानुकूलित श्रेणियों के लिए 1100 बजे से 1130 बजे तक बुकिंग खुलने के दिन तत्काल टिकट बुक करने की अनुमति नहीं होगी।
- ओटीपी आधारित तत्काल टिकट बुकिंग अभी शुरू नहीं की गई है।

विभिन्न श्रेणियों में तत्काल स्थान निर्धारित करने का अधिकार क्षेत्रीय रेलों को पहले ही प्रत्यायोजित कर दिया गया है। इस प्रावधान में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के लिए रेल मंत्रालय द्वारा विभिन्न पहलें की गई हैं, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- अमृत भारत स्टेशन योजना जैसी योजनाओं के तहत स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं का उन्नयन।
- यात्री अनुभव, स्वच्छता और ऑनबोर्ड सेवाओं में वृद्धि करने के लिए वंदे भारत, गैर-वातानुकूलित अमृत भारत रेलगाड़ियां और नमो भारत रैपिड रेलगाड़ियां आदि जैसी आधुनिक गाड़ियां शुरू करना।
- रेल मदद के माध्यम से बेहतर निगरानी और फीडबैक तंत्र।
- रेल वन ऐप, यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप आदि जैसी डिजिटल पहलों का कार्यान्वयन।

उपरोक्त उपायों के परिणामस्वरूप, यात्रियों की संतुष्टि में वृद्धि देखी गई है। परिचालनिक दक्षता, आधुनिकीकरण और डिजिटलीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए, भारतीय रेल का लक्ष्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के साथ यात्री किराये को किफायती बनाए रखना है।
